मेसर्स–इन्सपायर इंडस्ट्रीज प्रा. लि., ग्राम–भेलाई, तह.–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी–0.999 एम.टी.पी.ए. की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 10.07.2014 को पूर्वान्ह 11:00 बजे ग्राम पंचायत –भेलाई के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परिसर, विकासखण्ड– बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा में सम्पन्न लोक सुनवाई की कार्यवाही विवरण।

भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ई. आई. ए. अधिसूचना 14.09.2006 के अंतर्गत् मेसर्स–इन्सपायर इंडस्ट्रीज प्रा. लि., ग्राम–भेलाई, तह.–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी–0.999 एम.टी.पी.ए. की स्थापना के लिए भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली से पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में लोक सुनवाई हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के परिपेक्ष्य में अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जांजगीर–चांपा (छ.ग.) द्वारा जन सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि 10.07.2014 को ग्राम पंचायत–भेलाई के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परिसर, विकासखण्ड– बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा में श्री एस. के. शर्मा, अपर कलेक्टर, जांजगीर–चांपा की अध्यक्षता एवं बी. एस. ठाकुर, क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर की सहभागिता में लोक सुनवाई पूर्वान्ह 11:00 बजे प्रारंभ की गई।

अपर कलेक्टर द्वारा उपस्थित जन समुदाय, जन प्रतिनिधियों तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए जन सुनवाई के महत्व एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए लोक सुनवाई के संबंध में छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही से जनसामान्य को अवगत कराया गया एवं तत्पश्चात् उनके द्वारा लोक सुनवाई प्रारंभ करने की विधिवत घोषणा की गई। साथ ही यह व्यवस्था दी गई कि लोक सुनवाई में सभी इच्छुक वक्ताओं को अपनी राय, सुझाव, विचार तथा आपत्तियां रखने के लिए पूरा–पूरा अवसर दिया जावेगा तथा सभी वक्ताओं के बोलने के पश्चात् ही लोक सुनवाई की कार्यवाही समाप्त की जावेगी। साथ ही यह भी समझाईश दी गई कि जब वक्ता अपना वक्तव्य दे रहे हो तो उस समय कोई अन्य व्यक्ति व्यवधान न डाले व कोई टीका–टिप्पणी न करें, तथा शांति व्यवस्था बनाई रखी जावें। यह भी बताया गया कि जो कोई व्यक्ति लिखित में अपना विचार, सुझाव, सहमति व आपत्ति आदि देना चाहे तो वे दे सकते हैं। ऐसे लिखित में प्राप्त सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां की अभिस्वीकृति छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, के क्षेत्रीय कार्यालय, बिलासपुर के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा दी जावेगी तथा उसे अभिलेख में लाया जावेगा।

This document was created using Smart PDF Creator. To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

इसके पश्चात् अपर कलेक्टर द्वारा मेसर्स–इन्सपायर इंडस्ट्रीज प्रा. लि., ग्राम–भेलाई, तह.–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) के प्रतिनिधि को उद्योग के संबंध में सामान्य जानकारी के साथ पर्यावरणीय प्रभाव के संबंध में किये गये आंकलन की जानकारी से उपस्थित जन सामान्य को अवगत कराने का निर्देश दिया गया ।

मेसर्स–इन्सपायर इंडस्ट्रीज प्रा. लि., के वाईस प्रेसीडेंट, श्री डी. एस. राजपूत द्वारा प्रस्तावित कोल वॉशरी के संबंध में जनसामान्य को उद्योग एवं उद्योग से संभावित पर्यावरण स्थिति की जानकारी दी गई।

तत्पश्चात् अपर कलेक्टर द्वारा प्रस्तावित कोल वॉशरी के संबंध में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां लिखित या मौखिक रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। जन सुनवाई में आसपास के ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित कोल वॉशरी के पर्यावरणीय जन सुनवाई में एक–एक कर अपना सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां रखे। जन सामान्य द्वारा निम्नानुसार सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां दर्ज कराई गई :–

1. श्री सत्या शाण्डे, ग्राम–बिरगहनी :–हमारे गांव में महावीर कोल वॉशरी खुलने से बहुत से व्यक्तियों को रोजगार मिला है। कोल वॉशरी खुलने से हमें कोई आपत्ति नहीं है। वॉशरी खुलना चाहिए।

2. श्री जगदीश प्रसाद जाटवर, पूर्व सरपंच एवं पूर्व जनपद सदस्य, ग्राम–बिरगहनी:– जिस दिन इसी गांव में पहले महावीर कोल वॉशरी के नाम से जनसुनवाई हुई थी, उस दिन मैने 5–6 बिन्दुओं पर आपत्ति दर्ज कराया था ये पुरानी बात है। कोल वॉशरी खुलने से यहां के लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा क्योंकि वॉशरी में मशीन से काम होगा, जिससे लोगों की आवश्यकता कम होगी। यहां कम लोगों को काम मिलेगा। यहां भूमि गर्भ से पानी का दोहन 30–30 टैंकर पानी का प्रतिदित उपयोग होगा। जिससे भू–गर्भ का जल स्तर सूखा पड़ जायेगा। इसी गांव के लोगों ने जोर देकर कोल वॉशरी खुलवा दिया। इस भेलाई ग्राम में कोल वॉशरी खुलने से बलौदा और हरदीबाजार के बीच में लगा हुआ ग्राम बिरगहनी है। हम बिरगहनी वाले प्रभावित हैं कि भेलाई वाले? इन्होने पैसा लेकर अपनी जमीन को बेच दिया। लेकिन सम्पूर्ण जो तकलीफ व्यवस्था को सह रहे हैं। हमें इस कोल वॉशरी खुलने से कोई आपत्ति नहीं है, ये वॉशरी खुलनी चाहिए। परन्तु अपनी सुझाव कुछ इस तरीके देना चाहता हूँ:–

This document was created using SmartPDFCreator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

कोल वॉशरी से ग्राम बिरगहनी को सबसे भारी नुकसान पड़ रहा है। इसमें बड़े बड़े गाड़ियों से कोयला परिवहन करता है। बंदिश का समय इस ग्राम में नहीं, जिसके कारण चौबीसों घंटे तेज रफ्तार से गाड़िया दौड़ती हैं इसलिए तेज रफ्तार पर कोल वॉशरी व्यवस्थापक बंदिश लगायें और वॉशरी से लेकर तीनों समय सड़क में ग्राम तक नियमित रूप से जल छिड़काव की व्यवस्था करें। विगत वर्षों से धूल और कोयला से उड़ने वाली डस्ट के कारण किसानों को अपना धान कम कीमत पर बाहर बेचना पड़ता है क्योंकि मंडी धान नहीं खरीदता है। भू–गर्भ से प्रतिदिन अधिक से अधिक मात्रा पानी का दोहन किया जावेगा। जिससे आसपास के नलकूप सूख जाने का अंदेशा है। इससे ग्रामों के किसान प्रभावित होंगे। इस मशीन युग में ऐसी व्यवस्था की जाये कि जिससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिले तथा प्रभावित ग्रामों के स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाये। प्रबंधन ऐसा नियम बनाये जिससे किसानों के कृषि कार्य प्रभावित न हो तथा प्रभावित ग्रामों के लोगों को उनकी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधा मुहैया करायी जाये। ग्राम बिरगहनी (ब) एवं कटरा को अपने वाशरी के विद्युत कनेक्शन से जोड़ा जाये। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी ये सब प्रकृति से संबंध रखते हैं जो धूल डस्ट से प्रभावित हैं। अतः प्रबंधन द्वारा प्रकृति को स्वच्छ रखने के हेतु पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान आकृष्ट करने के साथ ही सघन वृक्षारोपण का कार्य किया जाये। हमें कोल वॉशरी खुलने से कोई आपत्ति नहीं।

3. श्री सदन लाल यादव, ग्राम–भेलाईः– वर्ष 2008 में महावीर कोल वॉशरी द्वारा यहीं मैदान पर जन सुनवाई की गई थी और हमारे ग्रामवासी को कई प्रलोभन दिये गये कि हम ये करेंगे, वो करेंगे, आज हमारे ग्राम प्रदूषण से ऐसे बर्बाद हो चुके हैं, पर्यावरण इतना बर्बाद हो चुका है कि कोई भी आदमी हमारे ग्राम के तालाब में नहाते हैं तो उसका पूरा शरीर काला पड़ जाता है। पर्यावरण विभाग से निवेदन करना चाहता हूं कि वे तालाब को जाकर देखें और कोल वॉशरी जाकर देखें, उनका जल कहां जा रहा है? कोयले का प्रदूषण इतना ज्यादा फैला रहे हैं कि हमारा जीवन दूभर हो गया है। हम चाहते है कि यदि कोल वॉशरी यहां पर खोलते हैं तो यहां पर जितने भी ग्रामवासी है उनको यहां से भगा दें। हम बेघर वैसे भी हो चुके है, हमारे कई बच्चों को कई बिमारियां हो चुकी हैं। ये बतायें कि आज तक कोल वॉशरी वाले कभी भी कोई स्वास्थ्य केम्प लगाये हैं? आज लगभग 15 से 20 बच्चों को टी. बी. की बिमारी है। इसका जवाबदार कौन है ? पर्यावरण विभाग वाले यहां आकर देखें कि कहां कितना प्रदूषण है? पूरा तालाब में कमल का फूल खिलता रहता था। इन लोगों

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

के द्वारा 2 माह पहले तालाब में कार्बन पाउडर डाला गया था, जिसके बाद कमल का फूल खिलना बंद हो गया और तालाब का पानी इतना गंदा हो गया है कि महिलाओं के नहाने के दौरान उनका सोने, चांदी के आभूषण वे सब काले हो जाते है। गांव वालों का विरोध है कि ऐसे गद्दार, राक्षस जैसे कोल वॉशरी को जो चल रही है उसे बंद करें और दूसरी कोल वॉशरी खोलने की अनुमति न दिया जाये। क्यों कि आज हम सिर्फ 6 साल में हमारे पूर्वज जो पौधे लगाये हैं, जो कि उनके वॉशरी परिसर के अंदर है उसमें आग लगाकर जला दिये हैं। लेकिन ये बताएं कि कितने पौधे लगाये है प्रदूषण रोकने के लिए। उनका जो पौधा है पांच साल से 5 फीट भी नहीं हुआ है। वहां जाकर निरीक्षण भी कर सकते हैं। वहां गांव वालों की आज जितनी भी जमीन है किसी को भी नौकरी नहीं दिया गया है। सिर्फ दादागिरी किया जाता है। गांव के बाल बच्चे एवं महिलाओं से खिलवाड़ किया जाता है। 2009 से आज 2014 तक हम कलेक्टर से शिकायत किये है लेकिन आज तक हमारे गांव की कोई सुनवाई नहीं हुई है। हमारे गांव की रक्षा करें कोल वॉशरी की सुनवाई निरस्त कर दूसरे कोल वॉशरी खुलने की अनुमति न दें। कोल वॉशरी प्रबंधनकर्ता द्वारा छत्तीसगढ़ वासी का अपमान करते हैं, कहते हैं छत्तीसगढ़ वासी 2 रू. बिकने वाले तुम लोग क्या करोगे? कोई भी कोल वॉशरी वाले ये बताये कि हमारे गांव के लिए 2 रू. खर्च किये हैं क्या? हमारे गांव के सिर्फ 2 मुख्य व्यवसाय हैं, एक खेती करना और दूसरा दूध का व्यवसाय करना। पर्यावरण प्रदूषण इतना हो चुका है कि पहले हमारे गांव में हजारों जानवर थे आज गांव में 200 जानवर नहीं मिल रहे है। यहां प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ चुका है। खेती करने में असुविधा हो रही है पूरा फसल काला हो जाता है। मंडी में हमको औने पौने दाम में धान को बेचने पड़ते है। हम गरीब जाये तो जाये किसके पास। इसलिए हम पर्यावरण विभाग से निवेदन करते हैं कि इस कोल वॉशरी को अनुमति न दें। पानी की सतह की बात है तो पहले हमारे गांव में 60 से 70 फीट में पानी रहता था। आज यहां पानी का स्तर इतना नीचे चला गया है कि कम से कम 100 फीट तक पानी नहीं मिलता। कई बोर बंद हो चुके हैं (सूख गये हैं)। मैं निवेदन करता हूँ कि हमारे गांव भेलाई को बचा लें।

4. श्री विनोद शुक्ला, महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी, जांजगीर–चांपा, पूर्व सरपंच एवं जनपद सदस्य, छ.ग. राज्य किसान मोर्चा के प्रयोजक :– इस गांव में कोई आय का स्त्रोत नहीं है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी बात है कि आज हमारे इस छोटे से गांव भेलाई में आज इस आधुनिकता एवं भागमभाग के दौर में हमको कैसे आगे बढ़ना है

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

कैसे हमारा उद्धार होगा और कैसे हमारी तरक्की होगी, कौन से रास्ता को अपनाएंगे तो हम आगे बढ़ेंगे, और कैसे हमारे गांव का विकास होगा। हम सबके घर में जो पढ़े–लिखे बच्चे हैं उनको नौकरी नहीं मिल रही है इस दिशा में चिंतन करते हुए इस जनसनुवाई के माध्यम से मैं कहना चाहता हूॅ कि मेसर्स इंन्सपायर इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के द्वारा इस गांव के किसान भाईयों का मुख्य मांग सिंचाई की व्यवस्था के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाये गये है। उसके लिए उचित व्यवस्था किया जाये। साथ ही गांव के आवागमन सड़कों को जल्द से जल्द पक्कीकरण किया जाये।

5. श्री अश्वनी देवांगन, ग्राम–भेलाई :–पर्यावरण बचाओ कोल वॉशरी को भगाओ। क्योंकि कोल वॉशरी से जो डस्ट उड़ता है वह हवा में फैलकर ऑक्सीजन के माध्यम से हमारे शरीर में पहुंच जाता है, जिससे हमारे शरीर की जो स्थिति है वह खराब होते चला जाता है। हमारे गांव में दमा, टी.बी. एवं श्वांस की बिमारी होते जा रही है। इसलिए यह कोल वॉशरी हमारे गांव में नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी के प्रभाव से हमारे गांव के जितने भी खेत हैं उनमें धान की ऊपज कम हो रही है। धान कम होने के कारण से हमारी आर्थिक स्थिति कमजोर पड़ रही है। जो हमारा धान है उसमें कोयले का डस्ट चले जाने के कारण धान को मंडी में खरीदा नहीं जा रहा है। जिससे हमें बहुत परेशानियों को झेलना पड़ता है।

6. श्री धनंजय यादव, ग्राम–भेलाई :–हमारे ग्राम भेलाई में जब पहला कोल वॉशरी खुला उस समय हम छोटे बच्चे थे। हमको ये पता नहीं था कि कोल वॉशरी क्या चीज़ है, वहां क्या होगा, क्या होने वाला है और वहां क्या करेंगे। उसके प्रतिनिधि के द्वारा यहां आकर हमारे सामने कार्य करने की जो ढंग बताया गया तो हम भोले भाले लोग कोल वॉशरी का समर्थन किये, जो कि हमारी सबसे बड़ी गलती थी क्योंकि हम लोग बच्चे थे, हमको पहले कोल वॉशरी के बारे में कुछ पता नहीं था। लेकिन आज हमको पता है कि हमारे साथ क्या हो रहा है आज हमारे खेत, पेड़–पौधे, पशु–पक्षी यहां तक की हमारे गांव के जीव जन्तु इस कोल वॉशरी से परेशान है। कोल वॉशरी के द्वारा जो विज्ञापन छपवाया गया है इसको मैं पढ़कर बिरगहनी वालों को सुनाना चाहूंगा कि महावीर कोलवॉशरी बलौदा, जिला जांजगीर चांपा, पर्यावरण सुरक्षित करने हेतु ग्राम–भेलाई, ग्राम–बिरगहनी एवं आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर जल छिड़काव किया जा रहा है एवं वृक्षारोपण किया जाता है। तो कोलवॉशरी प्रबंधन बताये कि कहां–कहां पानी का छिड़काव हुआ बिरगहनी, भेलाई में कहां –कहां पेंड़ लगा हुआ

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product from www.SmartPDFCreator.com

है, कहां ग्रीन पट्टी बनाई गई है। जो कोल वॉशरी हमारे गांव में खुला है उसके द्वारा पानी का छिड़काव नहीं किया जाता है। मैं खुद एक किसान हूॅ अपना धान लेकर सोसायटी में जाता हूॅ तो हमारे धान को रिजेक्ट घोषित कर दिया जाता है। अगर हम अपना धान वापस अपने घर लाते है तो हम लोग को कितना नुकसान होता है। वही धान हम बिचौलियों को बेचते है तो हमारा धान 1000 रू. प्रति क्विंटल में जाता है। जहां हमारा 300 रू. प्रति क्विंटल बोनस का घाटा हो रहा है तो इस घाटे का भरपाई कौन करेगा। हम ग्राम भेलाई वासियों का मुख्य व्यवसाय खेती और दुग्ध है, जिसके कारण हमारे ग्राम भेलाई को दुग्ध उत्पादक के नाम से जाना जाता है। हमारे गाय व भैंस बिरगहनी से होते हुए जंगल के तरफ चरने के लिए जाते हैं। ग्राम के आसपास जितने कोल वॉशरी है उनसे उड़ने वाले डस्ट पेड़ पौधे के पत्तियों पर जाकर जमा हो रहा हैं, मेरे पास भी गाय हैं आज हमारी गाय जंगल जाती है वहां पर घास व पत्ते पूरे काले हो गये हैं। गाय घांस खाती नहीं, तो दूध कहां से देंगी। यहां हम अपना जीवन निर्वहन कैसे करेंगे, क्या वॉशरी यहां सब किसानों को दे सकती है नौकरी ? किसान कहां जायेंगे, किसके पास जायेंगे। आपके सामने हम अपना समस्या रखेंगे तो आप लोग हमारे साथ न्याय करेंगे। यहां आम के बहुत पेड़ है जो आज तक फलता नहीं, जो कभी फूलता नहीं तो फलेगा कैसे, क्योंकि पूरा डस्ट तो पेड़ पर जाकर जमा हो गया है। जितने भी हमारे किसान बंधु हैं वे सब इस कोलवॉशरी से परेशान हैं। कोल वॉशरी छोटा राक्षस है, जिसका उत्पादन अभी 0.99 एम.टी.पी.ए है। अभी जो कोल वॉशरी खुल रहा है इन्सपायर इंडस्ट्रीज के नाम से इसका 4 गुना अधिक है। यहां हम छोटा राक्षस को झेल नहीं पा रहे है तो बड़े राक्षस को कौन झेलेगा। इस कोल वॉशरी से निजात दिलाईये। एक कोल वॉशरी खुलवा के हमने गलती कर लिया है अब दुबारा ऐसी गलती नहीं करेंगे। हम अपना हक चाहते हैं ये इन्सपायर नाम का कोल वॉशरी है वह नहीं खुलना चाहिए। हिन्द एनर्जी, महावीर एवं इंन्सपायर इंडस्ट्रीज ये तीनों कोल वॉशरी से डस्ट उड़ेगा हम कहां जायेंगे। पहले हमारा धान 20 बोरा होता था एक एकड़ में किन्तु आज हमारे खेत में 20 की जगह 10 बोरा धान का उत्पादन होता है। उस 10 बोरा का घाटा कौन भरेगा? आज के वैज्ञानिक युग में हर जगह खेती का ऊपज बढ़ा हुआ है लेकिन भेलाई गांव ऐसा है जहां का ऊपज घट रहा है, बढ़ नहीं रहा है। जबकि वही धान, वही बीज, वही खेत तो फिर ऐसा क्यों है ? तो यह सब कोल वॉशरी का नतीजा है। धान हमारा काला हो जाता है मंडी वाले धान को रिजेक्ट करते हैं। आपका धान काला है मिलर नहीं उठाएंगे, संग्रहण केन्द्र नहीं उठाएगा तो हम कहां लेकर जायेंगे।

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.smartPDFcreator.com

हमारे गांव भेलाई को इस कोल वॉशरी से शुद्ध नुकसान हो रहा है। पूरे गांव के लोग बहुत परेशान हैं। हमारे गांव को कोल वॉशरी से कुछ नहीं चाहिए। हमारा अनुरोध है कि हमारे गांव को इस कोल वॉशरी से मुक्त करा दीजिए। हमें ये कोल वॉशरी नहीं चाहिए। हम इस कोल वॉशरी का विरोध करते है।

7. श्री शांतनु कुमार शाण्डे, ग्राम–बिरगहनी :– वॉशरी खुलने से मैं सहमत हूॅ। 3 वर्षों से मैं वॉशरी को जानता हूॅ। वॉशरी में क्या होता है क्या नहीं । उन सबसे मैं परिचित हूॅ। छोटे से छोटे काम को लेकर मैं वॉशरी जाता हूॅ। ग्राम पंचायत का कुछ भी काम हो गली का काम हो तो कोल वॉशरी वाले सहयोग लेता हूॅ। जिससे मैं सहमत हूॅ। आज से 25 वर्ष पूर्व जिस रोड में भेलाई वाले के गाय, भैंस फस जाते थे, जो वॉशरी वाले के कारण सड़क बना है। आज तीनों वॉशरी खुल गई है जिसमें हम ईमानदारी और लगन के साथ मेहनत करेंगे तो हम लोंगों का जीवन यापन हो सकता है। कोल वॉशरी को मेरा पूरा समर्थन है।

8. श्री शिवरतन देवांगन, ग्राम–भेलाईः– हमारे ग्राम में कोल वॉशरी के खुलने में बहुत परेशानीयां हैं। यहां तक कि अगर हम रात में सोते है तो सुबह उठने पर हमारे हाथ पैर एवं कपड़ों में काला डस्ट जमा हो जाता है। पहले तालाब में नहाते तो गोरा होते थे अब ये शरीर काला हो जाता है। हमारे गाय यहां के पानी को पीते है तो लगभग 2–4 गाय रोज मर रहे हैं। अगर हमारे पर्यावरण की यही स्थिति रहेगी तो हम क्या करेंगे। भविष्य में हमारे बच्चे नहीं जी पायेंगे। यहां इस कोल वॉशरी को बिल्कुल नहीं खोलना चाहिए और जो खुली हुई है वह भी बंद होना चाहिए।

9. श्रीमती उर्मिला बाई, जनपद सदस्य, ग्राम–डोंगरीः–हमारे ग्राम भेलाई, कोरमी, डोंगरी में बिजली की बहुत समस्या है। बरसात के समय छोटे छोटे बच्चे खेलते रहते हैं दिन भर बिजली रहता है और पूरी रात बिजली नहीं रहती हैं। गांव में खेलते समय बच्चों को बिच्छू, सांप के काटने पर इनका ईलाज नहीं हो पाता। बीमार बच्चों के उपचार के लिए चिकित्सालय की व्यवस्था नहीं है। सबसे पहले यहां गांव का विकास कर सड़क, बिजली, चिकित्सा हेतु हॉस्पिटल की व्यवस्था की जायें। भेलाई, कोरमी गांव के बेरोजगार घूम रहे हैं युवकों को रोजगार मिलना चाहिए। यहां पेड़ पौधे, धान फसल को पूरा नुकसान हो रहे हैं उसकी सुरक्षा पहले करें, बिजली की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर पूर्ति की जाये।

This document was created using Smart PDF Creator. To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

10. श्री रामचंद्र शेखर उपाध्याय, ग्राम– भेलाईः–आज से 6 वर्ष पूर्व यहां एक बार जन सुनवाई हो चुकी है। गांव के विरोध करने के बावजूद भी कुछ लोगों द्वारा यह कहकर कोल वॉशरी का समर्थन किया गया था कि प्रबंधन द्वारा गांव में विकास कार्य होगा। ग्रामवासी द्वारा कोल वॉशरी खुलने से यहां हमारी आर्थिक परिस्थिति सुधरेगी, ऐसा सोचकर कोल वॉशरी को समर्थन दिये। किन्तु विगत 6 वर्षों में देखने को मिला है कि वॉशरी प्रबंधन द्वारा हमारी मांग की पूर्ति नहीं की जाती है। हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं होता। जो हमारा जीवन है उसे कैसे अच्छा किये जाये, कोल वॉशरी प्रबंधन द्वारा हमें सुहावने सपने दिखाये गये थे। वह आज तक पूरा नहीं किया गया है। अब हमारा ये विचार है कि दुबारा ऐसा कार्य न हो, कि ग्राम के नागरिकों से मेरा आग्रह है कि यहां आये हुए प्रशासनिक अधिकारियों सामने अपना अभिमत रखें।

11. श्री महावीर यादव, ग्राम–भेलाई :– मैं छोटा सा किसान हूॅ कोल वॉशरी से डस्ट और धूल उड़ता है। मेरे दो बच्चे बीमार हुए वह डस्ट के कारण है। मेरा वहां 2 एकड़ खेत है उसमें धान लगा था, डस्ट के कारण फसल काला हो गया, धान को मंडी लेकर जाने पर उसे वापस कर दिया गया, उस धान को हम खाने के उपयोग में लिया तो बच्चे मेरे बीमार पड़ गये, मेरे 2 छोटे बच्चे को टी. बी. हो गया। पर्यावरण को बचाते हुए ये कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

12. श्री शिव प्रसाद देवांगन, ग्राम–भेलाईः– पहले कोल वॉशरी से इतना डस्ट है कि यहां 3 हजार से अधिक जानवर थे पर आज 300 हैं। इस भेलाई को पहले दूध वाला ग्राम बोला जाता था, अब वॉशरी वाला भेलाई हो गया। क्योंकि डस्ट के कारण किसान अपने धान को लेकर सोसायटी में जाता है तो वहां धान को नहीं लिया जाता है। तो आखिर में किसान जाये तो जाये कहां? हम लोगों को इतना पता है कि पहला वॉशरी खुला तो ऐसा हुआ, अब दूसरी वॉशरी खुलेगा तो क्या होगा यहां गांव में रहने के लिए कोई जनता नहीं रहेगा। भेलाई में कोल वॉशरी नहीं चाहिए। गांव के नारी तालाब में नहाने के लिए जाती है तो उनका आभूषण डस्ट के कारण काला हो जाता है। हमारे ग्राम में डस्ट उड़ते रहता है उसके लिए जल छिड़काव की आज तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है। यहां हमें कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

13. श्री ललित कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाईः–पर्यावरण बचाना है, कोल वॉशरी भगाना है। क्योंकि कोल वॉशरी से जो डस्ट उड़ रहें हैं उससे पर्यावरण एवं स्वास्थ्य में बहुत प्रभाव पड़ रहा है। कोल वॉशरी का जो गंदा पानी बांध में जा रहा है उसे पीकर मवेशी भी बीमार पड़ रहे हैं। कोल वॉशरी के पास के हमारे खेतों में जो फसल हुआ उसे सोसायटी ले जाने पर वहां उसे नहीं लिया गया, काला होने के कारण एवं डस्ट होने के कारण। इसलिए पर्यावरण को बचाना है और कोल वॉशरी को भगाना है।

14. डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा, ग्राम–बलौदा :– यहां ग्राम–भेलाई में मेरा जमीन है। जहां वॉशरी लगा है उसके 2–3 खेत के बाद मेरी जमीन है जहां पहले फसल हुआ करती थी आज वॉशरी खुलने के बाद पानी का दोहन जिस प्रकार से किया जा रहा है उस दोहन से उस जमीन की स्थिति ऐसी हो गई है कि वर्षा होने के बाद भी उस जमीन पर पानी नहीं ठहरता है। जिससे खेती करना मुश्किल हो गया है, अगर धान हो भी जाता है तो इतने काले हो जाते है कि न तो खाने का काम आता है न बेचने का। अभी ये स्थिति है कि अगर आगे भी इसी तरीके से और कोल वॉशरी खुलता जायेगा तो उसके जल दोहन से बोर का जल स्तर सूख जाएगा और भूमि निकट भविष्य में बंजर हो जायेगी। यदि यहां की जमीन बंजर हुई तो किसान मारे–मारे फिरते रहेंगे। हम लोग कृषि पर ही आश्रित हैं। यह कोल वॉशरी न खोला जाये, और खुली है उस पर ये देखा जाये कि वास्तविक में उनके द्वारा जो जल का दोहन किया जा रहा है, वह नियम के अनुरूप है कि नियम के विरूद्ध है? क्योंकि मुझे विश्वस्त सूत्रों से जानकारी मिली है कि वॉशरी 4 से 8 बोर के द्वारा पानी का दोहन कर रही है। जबकि उसे शासन की ओर से उतनी बोर करने की अनुमति नहीं मिली है तथा आवश्यकता से अधिक जल का दोहन करने से क्षेत्र में जल का स्तर नीचे हो रहा है। आज यहां ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जायेगी, कि निकट भविष्य में हमे पीने का पानी भी नहीं मिलेगा। इसलिए मेरा आपसे यही निवेदन है कि इस ग्राम में वॉशरी खुलनी ही नहीं चाहिए और जो खुली हुई उस पर उचित कार्यवाही की जाये। पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होनें कोई कदम नहीं उठाया, जबकि हर कंपनी खुलने से पहले पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु मशीन लगाये जाने चाहिए, किन्तु आज तक यहां कोई मशीन नहीं लगी है।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

15. श्री नानदाऊ देवांगन, ग्राम–भेलाई:– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी जो खुला है उसे भगाना चाहिए। क्योंकि यहां जिधर भी जायेंगे धूल ही धूल पायेंगे। बाहर वाले क्या जाने हमको तो यहां गुजारा करना है किसी अन्य को नहीं अतः यहां कोल वॉशरी बिल्कुल ही नहीं खुलना चाहिए।

16. श्री अब्दुल कयूम, ग्राम–बलौदा :– मैं बताना चाहूंगा सर्वप्रथम पर्यावरण विभाग जनसुवाई की परिभाषा स्पष्ट करें। आम जनता को संयंत्र स्थापना से पर्यावरण को क्या नुकसान होगा, उसे स्पष्ट करें, क्योंकि पर्यावरण विभाग को आम जनता से ज्यादा जानकारी है। कि पर्यावरण की दृष्टि से इस संयंत्र की क्या सीमायें हैं, पहले पर्यावरण प्रभारी आम जनता को इसकी जानकारी स्वयं प्रदान करें। आज शासन की ओर से पर्यावरण जन सुनवाई की तिथि घोषित हुआ। आम जनता द्वारा पर्यावरण को होने वाली नुकसान के बारे में सुना जा रहा है। क्या पर्यावरण विभाग को नहीं पता कि संयंत्र स्थापना से पर्यावरण को क्या नुकसान होगा? इससे कौन प्रभावित होगा? आम जनता जिन्हें पर्यावरण की बरीकियां भी नहीं पता, उन्हीं से पर्यावरण की नुकसान एवं संयंत्र स्थापना के लिए सहमति या असहमति पूछा जा रहा है। यहां आप अपनी व्यथा जन सुनवाई में बैठे अधिकारियों को बता सकते हैं और संयंत्र प्रबंधक के साथ बैठकर संयंत्र खोलने के विषय में चर्चा करें, संयंत्र प्रबंधक आपकी बातों पर विचार करेगा। ऐसा अधिकारियों के द्वारा कहा गया। यहां पर संयंत्र खुलने से हम बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा, इसमें जरा भी संदेह नहीं है, हमें स्वीकार है। लेकिन आज भी जन सुनवाई होने के पूर्व प्रशासन और पर्यावरण विभाग का संयंत्र प्रबंधन के साथ स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक रखी गई थी। लेकिन इस बैठक में चर्चा के दौरान जन प्रतिनिधियों को बोलने एवं उनके बातों को सुनने का मौका नहीं दिया गया है। इसके बाद संयंत्र से निकलने वाली भारी वाहन, जो नगर के बीचों बीच होकर गुजरती है इस मार्ग में 7 विद्यालय एवं महाविद्यालय हैं। जिसमें नर्सरी से लेकर कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या लगभग 7 से 8 हजार होगी, जो प्रतिदिन इसी रास्ते से अपने विद्यालय तक जाते हैं। इन्हीं सड़कों पर ये भारी वाहन चलेगी, दुर्घटना का जवाबदार कौन होगा? क्या आम जनता इसी की जनसुनवाई में भाग ले रहा है। आज यहां बैठे अधिकारी एवं कर्मचारी जन सुनवाई कराकर चलें जाएंगे। किन्तु हमें जीवन भर यहीं सड़कों पर गुजरते हुए अपना जीवन यापन करना है। बेशक हमें कोई आपत्ति नहीं है कि यहां संयंत्र खुले, लोगों

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

को रोजगार मिले, विकास बढ़े, लेकिन हमारी बातों को यहां सुनने, समझने एवं समाधान निकालने के बाद। आज सिर्फ एक व्यापारी ही हजारों लोगों के जीवन के रक्षक बनने जा रहा है। एक व्यापारी के व्यापार को बढ़ाने के लिए हजारों लोगों के जान को दांव पर लगाया जाएगा। क्या उचित, क्या अनुचित है ये आप लोग तय करेंगे। इस कोल वॉशरी द्वारा पूर्व में अपना एजेंडा दिया है क्या उस एजेंडे पर कोई कायम हैं। अगर ये कोल वॉशरी अपने पूर्व एजेंडे पर कायम हैं, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। मेरे को जहां तक जानकारी है उस एजेंडे के अनुसार कोल वॉशरी में 99 प्रतिशत फेल है।

17. श्री मनमोहन यादव, ग्राम– भेलाईः– मेरा सिर्फ इतना कहना है कि यहां पूर्व में जो एक कोल वॉशरी खुला है उससे ग्रामवासी इतना परेशान है कि यहां के तालाब का पानी पूरा काला हो गया है, तालाब में नहाने से शरीर पूरा काला हो जाता है। इसलिए यहां दूसरा कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

18. श्री सहदेव सिंह, ग्राम– भेलाई :– यहां जो कोल वॉशरी खुला है उससे कोल धूल प्रदूषण हो रहा है यहां चारों तरफ धूल ही धूल है। इसलिए यहां दूसरा कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

19. श्री गोपीचंद देवांगन, ग्राम– भेलाई :– यहां जो कोल वॉशरी खुलने वाला है वह न खुले। क्योंकि हमारे गांव में अत्यधिक धूल और डस्ट उड़ रहा है, हम धान के फसल को काटने के लिए जाते है तो हमारे गले में धूल जम जाता है। डस्ट के कारण आंगन में कपडें को सुखाने पर उसमें काला धूल जम जाता है। यहां आम अधिक मात्रा में फलते थे लेकिन अब एक भी आम नहीं फलते हैं, जिसका कारण सिर्फ प्रदूषण है। जो आसपास के वातावरण में धूल डस्ट उड़ रहा है। इसलिए यहां जो कोल वॉशरी खुल रहा है वह न खुले।

20. श्री संतोष कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाईः– ये कोल वॉशरी हमारे गांव के लिए एक काल के समान है, जो हमारे बच्चे, बूढ़े सभी के लिए काल के समान हैं। यदि हमारे भावी पीढ़ी को बचाना चाहते है तो आप इस कोल वॉशरी को बंद करवा दीजिए। कोल वॉशरी हटाओ, पर्यावरण बचाओ।

This document was Created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

21. श्री रामकृष्ण देवांगन, ग्राम–भेलाई :– हमारे गांव में एक कोल वॉशरी खुल चुका है और दूसरा खोलने नहीं देंगे। क्योंकि हमारा गांव इनसे बहुत प्रभावित हो चुका है। यहां पानी, खेत आदि सब दूषित हो चुका है। दूसरा कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

22. श्री जय प्रकाश रात्रे, ग्राम–भेलाई :– जो पूर्व में कोल वॉशरी खुले है उसका प्रभाव केवल फसल पर न पड़कर हमारे स्वास्थ्य, आर्थिक गतिविधियों पर भी हो रहा है। छ.ग. को धान का कटोरा कहा जाता था, किन्तु आज वह कोलये का कटोरा बनाने में इनका पूरा हाथ हैं। हमारे गांव में व्यवसायिक फसल के 1000 पेड़ महुआ थे किन्तु आज उसमें महुआ नहीं लग रहा है और न फल लग रहे हैं। तो हम कैसे जीविकोपार्जन करेंगे। ये बहुत बड़ी समस्या है। कोल वॉशरी के द्वारा 40–45 लोगों को रोजगार दे देती है, इससे कुछ नहीं होता क्योंकि गांव में हजार लोग रहते हैं। कोल वॉशरी के द्वारा मेरे गांव को दूषित किया जा रहा है। वहां का डस्ट मेरे गांव में आ रहा है कोल वॉशरी से निकली हुई पानी खेतों में आ रहा है। मै इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ ये कोल वॉशरी नहीं खुलनी चाहिए।

23. श्री मनीराम खुंटे, ग्राम– भेलाई :– पूर्व में कोल वॉशरी खुलवाकर हम लोग बड़ी गलती कर लिये। यहां वॉशरी के खुलने से हमें बहुत नुकसान है। यहां दूसरा कोल वॉशरी खोलने की अनुमति न दें। आज यहां अधिक मात्रा में पर्यावरण प्रदूषित हो चुका है, आप जाकर देख सकते हैं। यह जो बड़ी कोल वॉशरी खुलने वाली है इससे तो और भी अधिक पर्यावरण प्रदूषित होगी और जहां तक हो सके इसको अनुमति न दिया जाये।

24. श्री राम प्रसाद यादव, ग्राम–भेलाई :– पूर्व में हमारे फसल 5–10 बोरी जो भी हुआ करती थी, कोल वॉशरी के कारण आज आधी भी नहीं हो रही है। क्योंकि भेलाई की पर्यावरण प्रदूषित हो चुकी है। जिस तालाब में नहाने जाते थे उस तालाब में उतर भी नहीं सकते यह स्थिति है। अगर यह वॉशरी लग जाती है तो आने वाले समय में हम इस गांव में रह ही नहीं सकते। ये कोल वॉशरी न लगे।

25. श्री गिरधारी लाल यादव, ग्राम–बलौदा :– मेरा 9 डिसमिल जमीन निकला था, वॉशरी में आज तक नौकरी नहीं मिली है।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

26. श्री बलराम देवांगन, ग्राम–भेलाई :– हमे वॉशरी नहीं चाहिए। हमारे गांव का पानी काला हो गया है, हमारे गांव में फसल नहीं हो पा रहा है। हमारे गांव के बैल भैस के लिए चारागाह नहीं हो पा रहा है। इसलिए कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

27. श्री राम प्रसाद देवांगन, ग्राम–भेलाईः– हमारे ग्राम में कोल वॉशरी नहीं चाहिए। क्योंकि यहां इतना प्रदूषण हो रहा है कि कोयले के डस्ट से बैल का पेट खराब हो गया और बैल मर गये। कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

28. श्री रामकुमार कंवर, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

29. श्री महेन्द्र सिंह कंवर, ग्राम–भेलाई :– हमारे गांव में कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। क्योंकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

30. श्री विनोद श्रीवास, ग्राम–भेलाई :– पर्यावरण बचाओ, कोल वॉशरी भगाओ। कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

31. श्री नरेश कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं चाहिए। नहीं चाहिए।

32. श्री मदन लाल यादव, ग्राम–भेलाई :– पर्यावरण प्रदूषित हो चुका है इसके कारण कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

33. श्री राज कुमार यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

34. श्री मनहरण देवांगन, ग्राम–भेलाई :– यहां कोयला के नाम से प्रदूषण बहुत है। कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

35. श्री रामलाल यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

36. श्रीमती वर्षा बाई, ग्राम–भेलाई :– हमारे गांव भेलाई में कोल वॉशरी नहीं खुलना है। क्योंकि यहां सभी लोग कोयला के धूल के कारण बीमार हो रहे हैं।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

37. श्रीमती हरिहर देवी, ग्राम–भेलाई :– हमारे ग्राम में कोल वॉशरी लगाने से पर्यावरण खराब हो रही है, तालाब में पानी गंदा हो गया, जंगली पौधे नष्ट हो गये हैं, जलीय जीव जैसे –मछली आदि मर रहे हैं, कृषि भूमि अनउपजाऊ हो गये हैं, फसल में कोल वॉशरी का धूल जमा हो जाता है, जिससे धान मंडी से वापस हो जाता है। कोल वॉशरी के बोर के कारण यहां जल का स्तर नीचे चला गया है। कोल वॉशरी की राखड़ से पशु चारा नष्ट हो गया है। पशु कई बीमारियों से ग्रसित हो गये हैं, यहां के निवासी भी कई बीमारियों से ग्रसित हो गये हैं। जैसे – टी.बी., श्वांस, डायरिया आदि। कोल वॉशरी के कारण ग्राम भेलाई का पर्यावरण प्रदूषित हो गया है। इस कारण दूसरी कोल वॉशरी नहीं खुलनी चाहिए।

38. श्री गणेश दास वैष्णव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

39. श्री भरत लाल यादव, ग्राम–भेलाई :– गांव में प्रदूषण इस तरह से फैल रहा है कि यहां की स्थिति बहुत खराब है। जब मवेशी को चराने जाते है तो, कोल डस्ट धूल युक्त घास खा जाने पर कई गाये, भैंसे मर चुकी है। जिसके कारण हमें हानि हो गया है। इसलिए कोल वॉशरी को बंद कराने कष्ट करें।

40. श्री सुरेश यादव, ग्राम–भेलाई :–भेलाई में दूसरा कोल वॉशरी नहीं चाहिए, क्योंकि जो पहला कोल वॉशरी खुला है, उससे बहुत नुकसान हुआ है, मैं एक किसान हूॅ, मेरा 3 एच.पी. का एक ट्यूब वेल है, उसमें पर्याप्त मात्रा में पानी आता था जिससे लगभग 5 एकड़ भूमि की सिंचाई हो जाती थी, आज की स्थिति में जल समाप्त हो गया है। क्योंकि पानी का इतना अनुचित दोहन कर रहे है, कि गांव के जल स्तर बहुत ही नीचे जा रहा है और यहां पानी की बहुत कमी हो रही है। एक दिन भेलाई में ऐसी स्थिति आ जायेगी कि हैण्ड पम्प से पानी नहीं निकलेगा। पहले गांव के गली में बोरिंग खुदाई होता था तो 100 फीट में पानी आ जाता था, लेकिन आज 200 फीट में भी पानी नहीं मिलता। हमारे गांव की जनसंख्या करीब 2000 से 2200 के आसपास है, उसमें पहले 0.50 प्रतिशत टी. बी. मरीज थे और आज 4 से 5 प्रतिशत टी. बी. के मरीज हो गये हैं। स्वास्थ्य अधिकारी से जाकर पूछ लीजिए उनके पास 5 – 10 मरीज टी. बी. के है उन्हें उसकी दवाई खिला रहे हैं। टी. बी. के मरीज इस प्रकार से बढ़ रहे है तो गांव का क्या होगा। कोल वॉशरी जब चलती है तो उससे इतना

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

अधिक कोल डस्ट उड़ता है कि धान में कोल डस्ट का काला परत जमने से खराब हो रहा है। जिसको दुकान में लेकर गये तो कौड़ियों के दाम खरीद रहे है। धान को कूटने के पश्चात उसका कोंढ़ा यदि जानवरों को खिलाते है तो उनका पेट खराब हो जाते हैं। उससे उनकी मृत्युदर बढ़ने लगी है। किसानों का नुकसान हो रहा है। ऐसी स्थिति में पूरा गांव बर्बादी की ओर जा रहा है। दूसरी कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

41. श्रीमती धन्यवती सिंह कंवर, जि. पं. सदस्य क्षेत्र क्र. 9 :– ग्राम–भेलाई में इन्सपायर इंडस्ट्रीज प्रा. लि. जो कोल वॉशरी स्थापित करने के इच्छुक हैं, जिसके द्वारा भूमिगत जल का दोहन किया जायेगा तो हमारे यहां का जल स्त्रोत कैसे बचेगा। कोल वाशरी से होने वाले प्रदूषण से हमे कौन बचायेगा। क्षेत्र के आसपास ग्रामीण अदिवासियों के स्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इन सब विषयों पर विचार करने के बाद मुझे नहीं लगता कि यह प्रोजेक्ट हमारे लिए उपयुक्त है। अतः मैं इसका विरोध करती हूॅ और पर्यावरण बोर्ड से इस कोल वॉशरी को स्वीकृति प्रदान न करें।

42. श्री लतेलीन बाई, ग्राम–भेलाई :– पूर्व स्थापित कोल वॉशरी के धूल से मेरे बच्चे का स्वास्थ्य खराब हो गया है इसके इलाज करने में खर्च हो रहा है। दूसरी कोल वॉशरी खुलेगी तो इस बच्चे के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव होगा। कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

43. श्रीमती सुरूज बाई, ग्राम–भेलाईः– यह कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

44. श्रीमती बैसाखिन बाईः– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

45. श्रीमती संगीता यादव, सरपंच, ग्राम पंचायत–भेलाई :– उक्त कोल वॉशरी के संबंध में हमें बहुत आपत्तिया हैं जिसका बिन्दुवार विवरण निम्नानुसार हैं–

1) हमारे ग्राम में कोल वॉशरी लगाकर क्षेत्र को प्रदूषण की मानक स्तर से कई गुना अधिक कर दिया, जिसका खामियाजा आम जनता आज भुगत रही हैं और प्लांट लगाने से रिकार्ड बन जायेगा। अभी प्रदूषण के मामले में क्षेत्र पूरे भारत में 5 वां स्थान रखता है।

2) वैसे तो कोल वॉशरी के लगाने के लिए नियम होता हैं कि आबादी से दूर स्थापित किया जाये, लेकिन ऐसा नहीं होता है। आपके विज्ञप्ति के अनुसार

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

आबादी से दूर करने के बजाये आबादी वाले गांवों को ही हटाकर प्लांट लगाया जाये।

3) कोल वॉशरी लगाना प्रस्तावित है वह जमीन उपजाऊ हैं, जिसे गैर उपजाऊ एवं गैर सिंचित कृषि–भूमि बताया गया है।

4) कोल वॉशरी की पूरी अपशिष्ट जल हमारे गांव की सिंचित करने वाली तालाब में डाला जाता है। जिससे तालाब भी खतरे में है।

5) कोल वॉशरी रोजगार की बात करती है, यह सब छलावा है। क्योंकि जिस किसान की कृषि उपजाऊ जमीन खरीदी है उन किसानों को आज तक कोई रोजगार नहीं दिया है, बल्कि पूरे बाहर के व्यक्तियों को रखा है। जिससे आये दिन गांव में अशांति बनी रहती है।

6) यदि आपका जमीर और ईमानदारी जरा भी आज जिंदा है तो इस कोल वॉशरी को स्थापित न किया जाये, जिससे आम लोगों के मन में प्रशासन के प्रति विश्वास को पुनः जिंदा कर सराहनीय कदम उठाया जाये।

7) पर्यावरण की क्षति को पूर्ण करना हर आदमी की वश में नहीं है। पेड़–पौधों को हर व्यक्ति लगा सकता है। लेकिन जिम्मेदारी से उसकी रक्षा करना बहुत बड़ा काम है। आज के पेड़–पौधे जो हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गये थे, उनकी वजह से आज हम जिंदा हैं।

ऐसे क्षेत्रों में प्लांट लगाने से पर्यावरण पर विपरित प्रभाव पड़ेगा, जिसकी भरपाई हम कभी नहीं कर पाएंगे तो हमारी आने वाली पढ़ी क्या कर पाएगी। हमारे आने वाली पीढ़ी हमें यह कहकर कोसेंगी कि हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए मौत का समान छोड़ गए हैं। हमार फर्ज यह होना चाहिए कि पुराने पेड़ो को बचाए रखें और नये पौधे लगाये और तो उनकी रक्षा वैसी ही कि जाये जैसै एक परिवार में अपने बच्चों को करते हैं। यह सारी जिम्मेदारी आपकी है मत लीजिए जमीन उन किसानों की मत पास कीजिए उस प्लांट को।

46. श्रीमती दसोमति, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

47. श्रीमती सातोबाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– जो वाशरी खुली है उसे चलने दें यहां दूसरी कोल वॉशरी नहीं खुलने की आवेदन न करें।

This document was created using Smart PDF Creator. To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

48. श्री सूर्यप्रकाश जाटवर, ग्राम–भेलाई :– महावीर के चलने से प्रदूषण कम नहीं होगा। अगर महावीर बंद हो रहा है तो हिन्द है दो–दो वाशरी है उनको भी बंद होना चाहिए, अगर बंद कराने का सामर्थ्य नहीं है तो हिन्द वाशरी, तो फिर महावीर वाशरी चलने से कोई आपत्ति नही है। अगर हिन्द बंद हो तो महावीर भी बंद हो।

49. श्रीमती अनुपाबाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी दोबारा नहीं खुलना चाहिए।

50. श्रीमती लीलावती, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

51. श्रीमती फिरतबाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

52. श्रीमती यशोदा बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

53. श्रीमती चंद्रिका बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

54. श्रीमती कचरा बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– हमारे गांव में कोई कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

55. श्रीमती उर्मिला बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी यहां नहीं खुलना चाहिए यहां का वातावरण बहुत खराब हो गई है। यहां का धान काला पड़ रहा हैं। कोल वॉशरी के कारण पानी बहुत गंदा हो गया है। कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

56. श्रीमती बदरा बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

57. श्रीमती अनिता बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

58. श्रीमती पूर्णिमा बाई यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

59. श्रीमती सुमित्रा देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

60. श्रीमती श्यामा बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

61. श्रीमती रमा बाई यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

62. श्रीमती दयामति, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी द्वारा हमारे जमीन को मिला लिया गया है। खेत में राखड़ उड़ने से धान नहीं हो पा रहा है पूरा धान काला पड़ जाता है। मंडी से धान वापस आ जाता है। खेत को गड्ढा करने के लिए जेसीबी मशीन का उपयोग किया जाता है। यह कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

63. श्रीमती क्रांती बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

64. श्रीमती अहिल्या बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। इससे बहुत प्रदूषण एवं नुकसान होता है।

65. श्रीमती बुधवारा बाई, मितानीन, ग्राम–भेलाई :– ये कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी के कारण हमारे गांव में टी. बी. फैल गयी है।

66. श्रीमती रामबाई यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

67. श्रीमती विमला बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। यहां कोल वॉशरी के कारण बीमारी फैल रही है।

68. श्रीमती संतोषी बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

69. श्रीमती ललीता बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी के कारण बहुत बीमारी फैल रही है।

70. श्रीमती नोनीबाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी के कारण पानी बहुत गंदा होता है।

71. श्रीमती शांती बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

72. श्रीमती जानकी बाई, ग्राम–भेलाईः– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

73. श्रीमती मालती बाई, ग्राम–भेलाईः– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

74. श्री श्रीमती कमला कांती, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

75. श्री धर्मेन्द्र कुमार खुंटे, ग्राम–भेलाईः– यहां पूर्व में कोल वॉशरी के स्थापना के कारण हमारा पर्यावरण प्रदूषित हो गया है। कोल वॉशरी की स्थापना हमारे खेतों के पास है। जिससे कोल वॉशरी से उड़ने वाले धूल हमारे खेतों को अनुपजाऊ बना रही है। फसल पर धूल जम जाती है, जिसे मजदूर काटने को तैयार नहीं होते। यदि काटते है तो 2 दिन के बाद मजदूर बीमार पड़ जाते हैं। धान मंडी से वापस आ जाती है। खेतों मे कोल वॉशरी का राखड़ जम रहा है। कोल वॉशरी के बोर के कारण हमारे खेतों के बोर में पानी नहीं आ रहा है। ग्राम का जल स्तर नीचे गिर गया है। तालाब का पानी गंदा हो गया है, जो नहाने और पीने के लायक नहीं है। तालाब में नहाने से लोग टी.बी., खांसी, डायरिया आदि से ग्रसित हो गये हैं, पशु चारा नष्ट हो गये हैं, पर्यावरण प्रदूषित हो गया है ये सब पूर्व स्थापित कोल वॉशरी से हो रही है यदि यहां दूसरी कोल वॉशरी खुलेगी तो यहां की जनता भूखे मर जायेंगे। कोल वॉशरी के नजदीक मेरा 5 एकड़ जमीन है, जिसमें भरपूर लगभग 20 क्विंटल फसल लेता था, किन्तु आज मेरी फसल 10 क्विंटल भी नहीं हो रही है। इसकी भरपाई कौन करेगा? ऐसी स्थिति में अगर दूसरी कोल वॉशरी खुल जाती है तो मैं तो भीख मांगने लायक हो जाऊंगा। ऐसे में कोल वॉशरी कैसे खोलने दें, यहां दूसरी कोल वॉशरी खोलने की अनुमति न दें।

76. श्री प्यारेलाल देवांगन, ग्राम–भेलाई :– पूर्व में जो कोल वॉशरी खुली है वह अपना वादा आज तक नहीं निभा सका। पहले उस कोल वॉशरी को बंद होना चाहिए। उसके बाद दूसरी भी नहीं खुलना चाहिए।

77. श्री बाबूलाल पटेल, ग्राम–कटरा :– छ.ग. को प्रदूषित कर रहे हैं। सड़क पर जल छिड़काव नहीं किया जा रहा है। कंपनी के भारी वाहन चलने से मवेशी दुर्घटनाग्रसित हो रहे है। सीएसआर का पैसा कितना आता है पता नहीं, बिजली की समस्या है। हमें कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.smartPDFcreator.com

78. श्री मंगत राम जांगड़े, ग्राम–भेलाई :– यदि भेलाई कोल वॉशरी खुलता है तो यहां विभिन्न प्रकार की समस्या उत्पन्न होगी। कोल वॉशरी द्वारा अधिक मात्रा में जल का दोहन किया जाता है, जिससे जल की समस्या उत्पन्न हो जाती है। न तो ट्यूब वेल न ही नल में जल की आपूर्ति होती है। पूर्व एवं वर्तमान में उद्योगों के लगाये जाने के कारण यहां का जल स्तर नीचे चला गया है। यदि निरंतर ऐसी ही स्थिति रहेगी तो एक दिन ऐसा आयेगा कि ग्राम भेलाई के पेड़ पौधे, पशु पक्षी, मनुष्य आदि सभी के लिए जल संकट की विकराल स्थिति फैल जायेगी और लोग पानी के लिए मारे मारे फिरते रहेंगे तथा जल के साथ यहां गांव में कुछ नहीं बचेगा। क्योंकि मनुष्य के नहीं रहने से यहां क्या बचेगा। इसलिए जल संरक्षण हेतु कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। अतः यहां से कोल वॉशरी हटाओ एवं पर्यावरण बचाओ।

79. श्री दीपक दुबे, चांपा :– सबसे पहले यहां 24 घंटे स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जाये। यहां कोल वॉशरी के द्वारा लगातार आज भू–जल का दोहन किया जा रहा है। तो सबसे पहले शासन की ओर से इस जल दोहन को रोका जाये। पहले महावीर कोल वॉशरी का भू–जल दोहन तत्काल रोक दिया जाये। ग्राम में पेयजल की समुचित व्यवस्था करे। साथ ही महावीर कोल वॉशरी की वजह से यहां के किसानों के फसलों की ऊपज कम हो गयी है, जिसके कारण आज किसानों का धान मंडी में पड़े हुए सड़ रहे हैं। इन सबकी जिम्मेदारी क्या महावीर कोल वॉशरी ने लिया? हमारी मांग है कि पहले महावीर कोल वॉशरी को बंद करे एवं उसका विस्तार ही नहीं किया जाना चाहिए। हमारी मांगों को शासन तक पहुंचाया जाये। कोल वॉशरी के आगे के काम को वही रोक दिया जाये।

80. श्री मंदाकिनी चौहान, ग्राम–भेलाई :– हमारे ग्राम में कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी खुलने के कारण तालाब में पानी गंदा हो रहा है, जिससे बच्चे बीमार हो रहे हैं, जिसके कारण बच्चे पढ़ लिख नहीं पा रहे हैं। यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

81. श्रीमती संतोषी बाई चौहान, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। बाल बच्चे से लेकर हरेक इंसान यहां पर बीमार पड़ रहे हैं।

82. श्रीमती शांति यादव, ग्राम–.भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

83. श्रीमती बृहस्पती यादव, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

84. श्री भगवान शरण यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी के कारण यहां प्रदूषण बहुत है। जिससे यहां के फसल जो फसल अधिक मात्रा में होती थी वह आज आधा भी नहीं हो रहा है। जो कुछ भी होता है उसे मंडी ले जाने पर वापस हो जाती है। हमें कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

85. श्रीमती लक्ष्मीन बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

86. श्री गोपाल यादव, ग्राम–भेलाई :– यहां जो वॉशरी खुलने की जो बात चल रही है। कोल वॉशरी को बंद कीजिए क्यों कि यहां सांस लेने में दिक्कत जा रही है। अभी जो चल रहा है उसे भी बंद होना चाहिए।

87. श्री बिसराम यादव, ग्राम–भेलाई :– ग्राम भेलाई में कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

88. श्रीमती लक्ष्मी बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

89. श्री सबीत कुमार, ग्राम–भेलाईः– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।

90. श्री राजेश्वर प्रसाद यादव, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। क्योंकि यहां कोल वॉशरी खुलने से बहुत बीमार पड़ रहे हैं।

91. श्री मनीष जेसानी :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।

92. श्रीमती धनबाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

93. श्रीमती अनारकली यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

94. श्रीमती राजश्री बाई यावद, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

95. श्रीमती पूर्णिमा बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

96. श्रीमती रात्रि बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

97. श्रीमती पूर्णिमा, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

98. श्रीमती सरोजनी बाई यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

99. श्रीमती दुखमीन बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

100. श्रीमती रामबाई यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

101. श्री राम कुमार कुर्रे, ग्राम–बिरगहनी :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए। मेरा सहयोग है।

102. श्री सोनू यादव, जांजगीर :– ये कोल वॉशरी खुलना चाहिए। जिससे हमारे ग्राम के बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा। बिल्कुल ही खुलना चाहिए। मेरा समर्थन है।

103. श्री रामशरण, ग्राम–भेलाई :–पहले मेरे बोर में पानी नजदीक में था, आज ऐसी स्थिति हो गयी है कि मेरे बोर में पानी नहीं है। कोल वॉशरी के कारण हमारे यहां प्रदूषण से बीमार हो गये हैं और अपनी खेत खार बेच के अपना ईलाज करवा रहें हैं। कोल वॉशरी यहां विकास नहीं विनाश करती है। इसलिए यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। जो खुली हुई है उसे भी बंद करें।

104. श्री महेश कुमार पाटले, ग्राम–भेलाई :– मेरा यहां 1 एकड़ ऊपजाउ खेत है, जिसमें मैं पहले 20 क्विंटल धान उगाता था, किन्तु जब से कोल वॉशरी खुली है वहां पर मैं 10 क्विंटल नहीं उगा पा रहा हूॅ। मैं अपनी परिवार को किस माध्यम से पालन पोषण करूंगा। पर्यावरण दूषित होने के कारण से तालाब में पानी गंदा हो गया है, जिसे पीने से बीमार हो रहे हैं, जिससे हमे बहुत नुकसान हो रहा है। इसलिए यह कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

105. श्रीमती पूनी बाई, ग्राम– भेलाई :– कोल वॉशरी हमें नहीं चाहिए।

106. श्रीमती सुचिता बाई, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

107. श्री शैलेन्द्र पाण्डेय, ग्राम–सिवनी, नैला :– पूर्व में महावीर कोल वॉशरी प्रबंधन के द्वारा हमारे आसपास के पर्यावरण के संरक्षण हेतु इस गांव में चिकित्सा व्यवस्था, रोजगार, बिजली, पानी, शिक्षा आदि के व्यवस्था के लिए जो वादा किया गया था। उनके द्वारा आज तक कुछ भी नहीं किया गया है। वॉशरी प्रबंधन पहले ये बताए कि सी.एस.आर. की राशि का उपयोग ग्राम विकास के नाम पर उनके द्वारा कहां किया गया है? तो ऐसे कोल वॉशरी को बंद होना चाहिए। नियम के विरूद्ध जाने वाली इस कोल वॉशरी को खुलने नहीं देंगे। हजारों लोग इस गांव में रहते हैं, जो तालाब के गंदे पानी से उपयोग कर बीमार पड़ रहें है। यहां के किसान आज अपना पेट नहीं भर पा रहे हैं। इस कोल वॉशरी का विरोध करते हैं।

108. श्रीमती राधा बाई कंवर, ग्राम–भेलाईः– भेलाई में कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

109. श्रीमती अनुराधा बाई, ग्राम–भेलाई :– भेलाई में कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

110. श्री सूर्यकांत शाण्डे, ग्राम–बिरगहनी :– विरोध है तो सरपंच व ग्रामसभा द्वारा खोलने का प्रस्ताव क्यों दिया गया है? वॉशरी को अपना जमीन क्यों बेचा गया ? कोल वॉशरी खुलने से हमे कोई आपत्ति नहीं है।

111. श्री रोशन कुमार हरवंश :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए। ग्राम बिरगहनी के अलावा 4 गांव के लोग नौकरी कर रहे हैं। कोल वॉशरी खुलनी चाहिए।

112. श्री अजय कुमार देवांगन :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। गांव बचाओ कोल वॉशरी भगाओ।

113. श्री दिलेश्वर श्रीवासः– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

114. श्रीमती गौरी बाई, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

115. श्रीमती पुष्पा बाई, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

116. श्री रामरतन देवांगन, ग्राम –भेलाई– यहां पर दूसरी कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

117. श्री लक्ष्मण यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी के लिए नियम नहीं बनता है क्या? जल का दोहन करना, दूषित जल से मवेशी बीमार पड़ रहे हैं तथा मर जा रहे है। वृक्षारोपण नहीं करना, जो ट्रक से लोड कोयले में त्रिपाल नहीं ढंकना जिससे रोड में कोयला डस्ट उड़ता है और दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। तालाब का पानी नहाने योग्य नहीं है। दूसरी कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

118. श्री अर्जुन सिंह कंवर, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

119. श्री देवी प्रसाद यादव, ग्राम–भेलाई :– इस कोल वॉशरी जो डस्ट होगा तो धूल हम खायेंगे, बीमार हम पड़ेंगे। यहां धूल की मात्रा इतनी अधिक हो गई है कि यदि हवा तेज चलता है तो कुछ नजर नहीं आता। इस कोल वॉशरी पर तुरंत रोक लगाया जाये।

120. श्री रमन चंद देवांगन, ग्राम–भेलाई :– यहां पर दूसरी कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी से निकलने वाले धूल, धुआ तालाब कुंआ नदी को खराब कर रहे हैं, प्रदूषित पानी को बाहर निकाल रहे हैं। जिसके पीने से मवेशी बीमार पड़ रहे हैं धूल के कारण गांव के अधिक से अधिक पेड़ सूख रहे हैं तथा प्रदूषण से पेड़ों में फल नहीं हो पा रहा है।

121. श्री योगेन्द्र यादव, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी से निकलन वाले गंदा पानी को पीने से मवेशी बीमार व मर जाते हैं। साथ ही तालाब भी प्रदूषित हो रहा है। यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

122. श्री राधे लाल देवांगन, ग्राम–.भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। और पूर्व में जो कोल वॉशरी खुली है उसे बंद किया जाये।

123. श्री रूप नारायण देवांगन, ग्राम–भेलाई :–यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

124. श्री रतन लाल जांगड़े, ग्राम–भेलाई :–यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

125. श्री बाबूलाल खूंटे, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। क्योकि यहां पानी दूषित हो रहा है।

126. श्री राम कुमार यादव, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

127. श्रीमती पार्वती देवांगन, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

128. श्रीमती कौशिल्या बाई कंवर, ग्राम–.भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

129. श्रीमती गीता बाई कंवर, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

130. श्रीमती नीरा बाई श्रीवास, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

131. श्रीमती गीता देवांगन, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

132. श्रीमती लीला बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

133. श्रीमती तोरन बाई देवांगन, ग्राम–भेलाई :–यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

134. श्रीमती सुकवारा बाई श्रीवास, ग्राम–भेलाईः– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

135. श्रीमती उर्मिला बाई कंवर, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

136. श्री राजकुमारी देवांगन, ग्राम–भेलाई. :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

137. श्री लव कुमार रात्रे, ग्राम–भेलाईः– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

138. श्री रमेश कुमार चौहान, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

139. श्री बल्ला श्रीवास, ग्राम–महुदा :– इंसपायर इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के हम विरोध करते हैं। यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

140. श्री बसंत कुमार आनंद, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

141. श्री दिलचंद देवांगन, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

142. श्री हरिराम जांगड़े., ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

143. श्री नेवादा प्रसाद रात्रे, ग्राम–भेलाई :– महावीर कोल वॉशरी के कारण हमारे गांव के जल का स्त्रोत नीचे चला गया है जिससे पीने के लिए भी नहीं मिलता है। इसलिए यहां कोल वॉशरी कभी नहीं खुलना चाहिए। जो खुले हुए हैं उन्हें भी बंद करना चाहिए।

144. श्री गौरीशंकर पाटले, ग्राम–भेलाई :–प्लांट से होने वाले जल एवं वायु प्रदूषण सभी के जिए हानिकारक है। अगर हमारा स्वास्थ्य खराब होता है तो हमारे इतनी आय नहीं कि हम अपना इलाज करा सकें। इसलिए यहां वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

145. श्री भागवतदीन, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी को यहां खोलना नहीं चाहिए।

146. श्रीमती लक्ष्मीन बाई चौहान, ग्राम–भेलाई :– कोल वॉशरी को यहां खोलना नहीं चाहिए।

147. श्री राम शंकर यादव, ग्राम–भेलाई :– हमारा गांव अत्यंत गरीब गांव है यहां के सभी नागरिक कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय करते हैं। कोल वॉशरी से पूरी तरह से यहां का व्यवसाय डगमगा गया है। क्योंकि यहां के पर्यावरण प्रदूषण से उपज कम हो रहा है। खेतों में काम करने वाले गरीब किसान भाई टी.बी. एवं अन्य बीमारियों से परेशान है। धान काला पड़ जाने के कारण मंडी में नहीं लिया जा रहा है। तालाब का पानी पूरा तरह से दूषित हो गया है। हमे अपने वातावरण को इन सभी हानिकारक तत्वों से बचना चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

148. श्री आकाश यादव, ग्राम–भेलाई :– :–यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

149. श्री योगेश कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाई :– यहां पर पर्यावरण प्रमुख रूप से प्रदूषित हो रहा है, जो कोल वॉशरी लगा रहे हैं उसे बंद किया जाये।

150. श्री सुखदेव प्रसाद यादव, ग्राम–भेलाई :– यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

151. श्री अनुज कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाई :– धोखे में रखकर जमीन खरीदा है। कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

अपर कलेक्टर/अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा जन सामान्य को अवगत कराया गया कि लोक सुनवाई के पूर्व निर्धारित अवधि में क्षेत्रीय कार्यालय छ0.ग0 पर्यावरण संरक्षण मंडल को प्रस्तावित उद्योग के संबंध में कुल 73 एवं लोक सुनवाई दिनांक 10.07.2014 के दौरान 126 लिखित में आपत्ति/सुझाव/विचार प्राप्त हुये हैं। इस प्रकार कुल आवेदन 199 लिखित में आपत्ति/सुझाव/विचार प्राप्त हुए एवं लोक सुनवाई के दौरान लगभग 500 जनसामान्य की उपस्थिति रही, जिसमें से 151 व्यक्तियों द्वारा प्रस्तावित उद्योग स्थापना के संबंध में अपना सुझाव/विचार एवं आपत्तियां व्यक्त की गई। सम्पूर्ण लोक सुनवाई कार्यक्रम की विडियोग्राफ एवं फोटोग्राफी कराई गई है। जन सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समुदाय में से 54 लोगो द्वारा अपनी उपस्थिति, लोक सुनवाई उपस्थिति पत्रक में दर्ज कराई गई है।

लोक सुनवाई कार्यक्रम के समापन पर अपर कलेक्टर/अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जांजगीर–चांपा द्वारा उपस्थित जन समुदाय को लोक सुनवाई में उपस्थित होने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए लोक सुनवाई की कार्यवाही के समापन की घोषणा की गई।

(बी.एस.ठाकुर)
क्षेत्रीय अधिकारी,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल
बिलासपुर (छ.ग.)

(एस. के. शर्मा)
अपर कलेक्टर
जिला जांजगीर–चांपा (छ.ग.)

This document was created using Smart PDF Creator to remove this message purchase the product www.SmartPDFCreator.com